mere 215 square kilometres. This area covers four coastal districts of Kendrapara, Bhadrak, Balasore and Jagatsingpur. Had the mangrove forests been there in its original form, the impact of 1999 super cyclone would have been much less. Damage has been caused to the ecology of the area which was the natural habitat of a variety of biodiversity consisting of 63 variety of mangroves, 174 species of birds, 26 species of mammals and 44 species of reptiles. I urge upon the hon. Minister of Environment and Forests to take urgent steps to protect the ecological balance and environment of this area by engaging not only Government agencies but also NGOs under a time-bound programme. Thank you.

SHRI SURENDRA LATH (Orissa): Madam, I associate myself with what Shri Man Mohan Samal has stated.

Need to supply Hindi dailies and magazines in flight and at airport lounges

प्रो0 राम देव भंडारी (बिहार): उपसभापति महोदया, इंडियन एयरलाइन्स के जहाजों में तथा एयरपोर्ट के लाउन्ज में राजभाषा हिन्दी के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की भारी कमी रहती है । अंग्रेजी के समाचार पत्र और पत्रिकाएं भरे होते हैं और हिन्दी के खोजने पर भी नहीं मिलते हैं। लाउन्ज तथा जहाजों में पूछने पर इधर-उधर खोजा जाता है और बमुश्किल एकाध उपलब्ध कराया जाता है और अक्सर वह भी नहीं । जहाजों में "इंडिया टुडे" और "कादम्बिनी" जैसी कभी-कभार एकाध पत्रिका दिखाई पड़ जाती है जबकि हिन्दी की "आउटलुक" "प्रथमप्रवक्ता" जैसी कई पढ़ने योग्य पत्रिकाएं बाजार में उपलब्ध हैं । "हिन्दी" जिसे भारतीय संविधान ने राजभाषा के रूप में स्वीकार किया है, की इस प्रकार की उपेक्षा करना विभाग का अपने संवैधानिक दायित्वों से मुकरना है, हिन्दी को उसके अधिकार से वंचित करना है । मेरा सरकार से अनुरोध है कि एयरपोर्ट के लाउन्ज तथा हवाई जहाजों में आवश्यक संख्या में हिन्दी समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की आपूर्ति करे जिससे संविधान की मूल भावनाओं का आदर हो । धन्यवाद ।

श्री बालकवि बैरागी (मध्य प्रदेश): महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं। हिन्दी की पत्र-पत्रिकाएं इतने अपमानजनक स्तर पर लाकर देते हैं और इतना हंसकर देते हैं कि जैसे हम हिन्दी की पत्रिकाएं मांगकर कोई अपराध कर रहे हैं । इस पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए ।

श्री दारा सिंह चौहान (उत्तर प्रदेश): महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं ।

श्री रमा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश) : मैडम, "स्वागत" जो अंग्रेज़ी में छपता है, वह हिंदी वाले "स्वागत" से चार गुना बड़ा होता है और हिंदी वाला "स्वागत" जो एयरलाइन्स छापती है, वह केवल थोड़े से पन्नों का होता है ।

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात) : मैडम, हिंदी वाला जो "स्वागत" होता है, उसमें बहुत सारी चीजें होती नहीं हैं । यह हिंदी का अपमान है ।

उपसभापति : हिंदी का प्रचार तो करना चाहिए ।

GOVERNMENT BILLS

The Companies (Amendment) Bill, 2002

and

The Companies (Second Amendment) Bill, 2002

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now, we will take up the Companies (Amendment) Bill, 2002 and the Companies (Second Amendment) Bill, 2002. As decided, we are going to discuss it together. When we look at the time, if we take the two Bills together, the time allocated is five hours. But, I think we do not need that much time. So, if the House so agrees, we can reduce this time to three hours.

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Madam, I would suggest that we will complete these two legislations today but let us not fix the time. Let us keep the time as it is. If there are no speakers, we will complete it earlier. But please do not reduce the time right now. The floor managers will find it difficult to manage it.

THE DEPUTY CHAIRMAN : We discussed it in the Business Advisory Committee meeting also. While allotting time for a legislation, we never consider the time taken by the Minister for his reply.

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Please allot half-an-hour for the Minister's reply, and, thereafter distribute the rest of the time among the political parties, as per their entitlement. Out of 5 hours 15 minutes, you exclude half an hour or 45 minutes, whatever the Minister wants, and, thereafter, distribute the remaining time among the political parties.

THE DEPUTY CHAIRMAN : So, four hours will be distributed among the political parties.